सांध्य दैनिक
4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 87 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 2 मई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

अगर आप किसी की खुशियां लिखने वाली पेंसिल नहीं हो सकते हैं तो एक अच्छा सा इरेजर बनिए जो उनका दुख मिटा सकें।

–ब्रह्माकुमारी शिवानी

बृजभूषण के खिलाफ आज दर्ज होगा... 8 | चुनाव आते ही भाषण में आने लगते... 3 | कांग्रेस का पीएफआई और बजरंग... 7

तिहाड़ में गैंगस्टर की हत्या से सनसनी

ग्रिल काटकर, रॉड और सूए से हमला

» दिल्ली पुलिस व जेल प्रशासन पर सवाल

» राजनीतिक दलों ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर दिल्ली का तिहाड़ गैंगवार से दहल उठा 19 दिन पहले वहां गैंगस्टर प्रिंस तिवेतिया को गोलियों से भूना गया था अब अब टिल्लू ताजपुरिया की हत्या कर दी गई।

यही नही अभी पिछले महीने साकेत कोर्ट में भी ऐसी ही एक वारदात हुई थी जिसमें अदालत के परिसर में एक महिला गवाह को बदमाशों ने गोली मारी थी। इस तरह की घटनाओं से दिल्ली पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग गया। राजनैतिक दल ने केंद्र व दिल्ली सरकार के खिलाफ हल्ला बोला है।

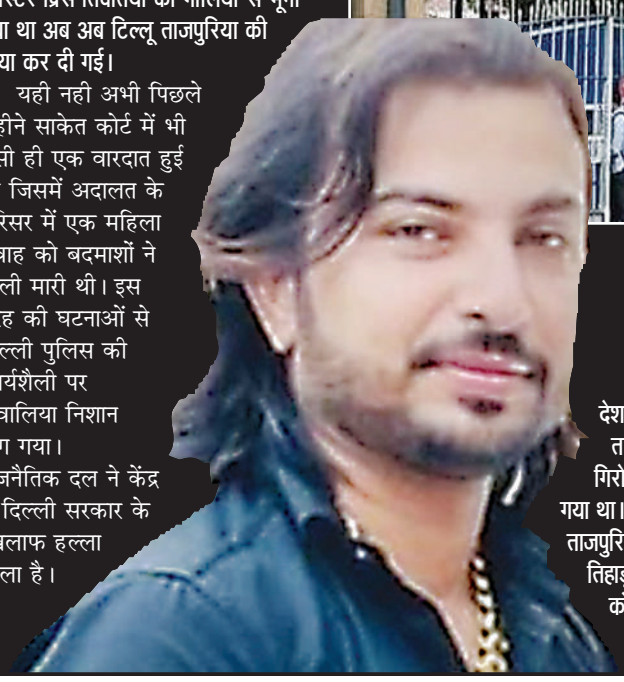

जेल नंबर-9 में बंद था अरोपी

जेल सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया ग्राउंड फ्लोर पर जेल नंबर-9 में बंद था। गोगी गैंग के योगेश टुंडा और दूसरे सदस्य सुबह सवा छह बजे अपने वार्ड की लोहे की ग्रिल काटकर बाहर आए। इसके बाद बेडशीट का उपयोग कर ग्राउंड फ्लोर पर कूद गए। टिल्लू को यहां हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखा था। हमलावर टिल्लू के वार्ड में लगी ग्रिल को काटकर अंदर घुस गए। गोगी गैंग के सदस्यों ने लोहे के नुकीले हथियारों से टिल्लू ताजपुरिया पर हमला किया था। जेल प्रशासन घायल टिल्लू को अस्पताल लेकर पहुंचा, यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य घायल रोहित का उपचार चल रहा है। वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

रोहिणी कोर्ट शूटआउट का आरोपी है गैंगस्टर

देश की राजधानी दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या का मामला सामने आया है। उस पर प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों ने हमला किया था। उसे अस्पताल भी ले जाया गया था। दिल्ली के रोहिणी कोर्ट शूटआउट के आरोपी गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया पर प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों योगेश टुंडा और अन्य ने तिहाड़ जेल में रॉड से हमला कर मार डाला। जेल अधिकारी टिल्लू को दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल लेकर भी पहुंचे, यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस जांच में जुटी है।

गोगी की हत्या में सामने आया था नाम

दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में 24 सितंबर 2021 में बदमाशों ने दिल्ली के टॉप मोस्ट बदमाश जितेंद्र उर्फ गोगी की हत्या कर दी थी। इस मामले में सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया का नाम सामने आया था। रोहिणी कोर्ट संख्या 207 में जितेंद्र उर्फ गोगी के घुसते ही हमलावरों ने गोलियां बरसाई थी। पहली गोली उसकी पीठ पर मारी गई। गोली लगते ही उसने पीछे घूमकर हमलावरों की तरफ देखा तो फिर उसके सीने पर ताबड़तोड़ गोलियां मारी गईं।

विरोधी गैंग के चार सदस्यों ने किया हमला

तिहाड़ जेल की हाई रिस्क वार्ड में ग्राउंड फ्लोर पर टिल्लू ताजपुरिया (33) बंद था। टिल्लू पर सुबह करीब सवा छह बजे जेल में ही बंद चार बदमाशों दीपक उर्फ तीतर, योगेश उर्फ टुंडा, राजेंद्र और रियाज खान ने सुए से हमला किया था। बताया जाता है कि हमलावर चारों ने लोहे की रॉड से सुआ बना रखा था। जेल प्रशासन घायल अवस्था में टिल्लू को अस्पताल ले गया था। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शराब घोटाले में राघव चड्ढा पर भी आंच

» ईडी ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट में नाम जोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी ने अपनी दूसरी चार्जशीट में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम शामिल किया है। ईडी का कहना है कि राघव ने इस मामले में कई व्यापारियों के साथ मीटिंग की थी। आबकारी नीति मामले में ईडी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में आप पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम जोड़ा है।

ईडी की चार्जशीट के अनुसार मनीष सिसोदिया के पीए सी.अरविंद ने अपने बयान में राघव चड्ढा का नाम लिया है, चार्जशीट के अनुसार सी अरविंद ने अपने बयान में कहा कि डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास पर एक बैठक हुई थी, जिसमें राघव चड्ढा पंजाब, पंजाब के एक्साइज कमिश्नर, आबकारी अधिकारी और विजय नायर मौजूद थे।

शरद पवार का एलान, अध्यक्षी छोड़ेंगे

» राकांपा के अध्यक्ष पद से देंगे इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र व देश के राजनीति में शरद पवार अपने ऐलान से सबको चौंका दिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने पद से इस्तीफा देने की बात कही।

हालांकि इसके बाद उनके कार्यकर्ताओं ने उनसे इस फैसले पर फिर से विचार करने को कहा है। इससे पहले पिछले हफ्ते पवार ने मुंबई में आयोजित युवा मंथन कार्यक्रम में रोटी पलटने की बात कह डाली।

पवार बोले, किसी ने मुझे कहा कि रोटी सही समय पर पलटनी होती है और अगर सही समय पर नहीं पलटी तो वो कड़वी हो जाती है। अब सही समय आ गया है रोटी पलटने का, उसमें देरी नहीं होनी चाहिए। इस बारे में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को आग्रह करूंगा की वो इस पर काम करें।

बड़ा सवाल-भतीजे या बेटी किसको सौंपेंगे पार्टी की कमान

वहीं उनके इस एलान के बाद अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर पवार यह पद किसे सौंपने जा रहे हैं। दरअसल, राकांपा के अध्यक्ष पद के लिए अजित पवार भी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखे जाते हैं। वहीं, शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले को पवार का उत्तराधिकारी माना जाता है। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष की जंग आने वाले समय में दिलचस्प हो सकती है। शरद पवार ने युवा मंथन कार्यक्रम में अपनी बात रखी है। ऐसे में हो सकता है कि अब पवार पार्टी की जिम्मेदारी किसी युवा हाथों में देना चाहते हों। इसमें दो बड़े नाम हैं। पहला उनकी बेटी सुप्रिया सुले और दूसरा उनके भतीजे अजित पवार हैं। अजित पवार को लेकर हाल के दिनों में कई अटकलें लग चुकी हैं। संभव है कि पवार इन्हीं दोनों में से किसी एक को पार्टी की कमान सौंप दें। इसके जरिए वह युवाओं के बीच संदेश देना चाहते हों कि एनसीपी में युवाओं के लिए अवसर है और एनसीपी युवाओं को आगे बढ़ाती है।

चार मई को चुनी जाएगी शहर की सरकार

आज थम जाएगा चुनाव प्रचार

» प्रशासनिक टीमों ने भी पूरी की अपनी तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव में पहले चरण का प्रचार मंगलवार शाम छह बजे थम जाएगा। इससे पहले सोमवार को मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रत्याशी एड़ी चोटी का जोर लगाते दिखे। उधर, प्रशासनिक टीमों ने भी अपनी तैयारी कर ली है। यदि कहीं भी छह बजे के बाद प्रचार हुआ तो कार्रवाई होगी। पहले चरण के लिए कुल 37 जिलों में चार मई को वोट डाले जाएंगे।

इन जिलों में होगा पहला चरणशामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर,अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी, झांसी, जालौन, ललितपुर, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, उन्नाव, हरदोई, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, जौनपुर।

पहले चरण में 37 जिलों में होगा मतदान

वाराणसी नगर निगम पर है सभी की नजर

वाराणसी नगर निगम के चुनाव पर पूरे प्रदेश व देश की नजर है। वाराणसी में भाजपा ने क्षेत्रीय मंत्री अशोक तिवारी को प्रत्याशी बनाया है। वाराणसी में आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन रवींद्र जायसवाल और श्रम कल्याण मंत्री अनिल राजभर की प्रतिष्ठा दांव पर है। वाराणसी में भितरघात की सूचना मिलने के बाद पार्टी के शीर्ष नेता सक्रिय हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के नाते मुख्यमंत्री, दोनों उप मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह वहां पूरी ताकत लगाए हैं। वाराणसी में प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह ने भी पूरी ताकत लगाई है।

दो दर्जन मंत्रियों की साख दांव पर

नगरीय निकाय चुनाव में प्रदेश सरकार के दो दर्जन से अधिक मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर है। मंत्रियों को अपने निर्वाचन क्षेत्र में तो पार्टी को चुनाव जिताना ही है, साथ ही प्रभार वाले जिले में भी कमल खिलाने की जिम्मेदारी को बखूबी निभाना है। चुनाव में मंत्रियों के राजनीतिक कौशल के साथ प्रशासनिक दक्षता की भी परीक्षा हो रही है। भाजपा निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास मानकर लड़ रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि निकाय चुनाव के नतीजों का असर लोकसभा चुनाव तक रहेगा। लिहाजा पार्टी ने सभी 17 नगर निगमों और जिला मुख्यालयों की नगर पालिका परिषदों में कब्जा जमाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सभी 75 जिलों का चुनावी दौरा कर रहे हैं। वहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी भी एक एक दिन में दो से तीन जिलों में चुनावी सभाएं और संपर्क कर रहे हैं। भाजपा ने सरकार के मंत्रियों के परिवारजन को प्रत्याशी नहीं बनाया है। लेकिन मंत्रियों का जिले में वर्चस्व बनाए रखने के लिए प्रत्याशी चयन में उनकी राय को महत्व दिया गया है।

सपा के छह बार विधायक रहे पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फर्रुखाबाद से छह बार विधायक रहे पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव उनकी बेटी जिला पंचायत अध्यक्ष मोना यादव और बेटे सचिन यादव ने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ले ली है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सभी को भाजपा की सदस्यता दिलाई। नरेंद्र सिंह यादव की सैफई परिवार से रिश्तेदारी भी रही है। मुलायम सिंह यादव के खास लोगों में गिने जाते रहे, लेकिन बदली परिस्थितियों में खुद को उपेक्षित महसूस करते हुए उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली है।

नरेंद्र सिंह यादव का भाजपा में जाना आलू पट्टी में सपा के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। वह यदुकुल पुनर्जागरण मिशन से भी जुड़े रहे और शिवपाल सिंह यादव ने उन्हें मिशन में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी। मालूम हो कि इससे पहले फिरोजाबाद से पूर्व विधायक हरिओम यादव और पूर्व विधायक ओम प्रकाश भी सपा छोड़ चुके हैं। जबकि शाहजहांपुर में पार्टी की दिग्गज नेता और महापौर पद की प्रत्याशी अर्चना वर्मा ने ऐन मौके पर पाला बदलकर भाजपा की प्रत्याशी बन गई है।

गोवा में प्रवासी मजदूरों की वजह से होते हैं 90 फीसदी अपराध : सावंत

» पुलिस के लिए कार्रवाई करना होता है मुश्किल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राज्य में बढ़ रहे अपराधों को लेकर एक अजीबो-गरीब बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि राज्य में लगभग 90 प्रतिशत अपराध बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य क्षेत्रों के प्रवासी मजदूरों द्वारा किए जाते हैं। प्रमोद सावंत ने कहा है कि प्रवासी मजदूर राज्य का लेबर कार्ड जरूर बनवाएं।

बता दें कि पणजी में 1 मई को मजदूर दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस समारोह में सावंत ने कहा कि राज्य में काम करने वाले हर प्रवासी मजदूर के पास राज्य सरकार द्वारा दिया गया लेबर कार्ड होना चाहिए। गोवा सरकार प्राइवेट, असंगठित और इंडस्ट्रियल सेक्टर में काम

करने वालों को रोजगार का रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ इस सेक्टर के कल्याणकारी उपायों का विस्तार करने के लिए लेबर कार्ड जारी करती है। प्रमोद सावंत ने कहा कि गोवा में अपराध करने के बाद प्रवासी मजदूर अपने होम स्टेट भाग जाते हैं, जिसके कारण उनपर कार्रवाई करना काफी मुश्किल हो जाता है।

माया‌वती ने जनता से की अपील, वोट देने जरूर जाएं

विरोधियों के षडयंत्र पर न दें ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यूपी निकाय चुनाव के अन्तर्गत 17 नगर निगमों में मेयर पद के लिए हो रहे चुनाव में बसपा द्वारा मुस्लिम समाज को भी उचित भागीदारी देने को लेकर यहां राजनीति काफी गरमाई हुई है क्योंकि उससे खासकर जातिवादी एवं साम्प्रदायिक पार्टियों की नींद उड़ी हुई है।

बसपा सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीति व सिद्धान्त पर चलने वाली अम्बेडकरवादी पार्टी है तथा उसी आधार पर यूपी में चार बार अपनी सरकार चलाई। उन्होंने कहा कि बसपा में मुस्लिम व अन्य समाज को भी हमेशा उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है। अत: लोगों से अपने हित पर ज्यादा व विरोधियों के षडयंत्र पर ध्यान न देने अपील है।

ताज कॉरिडोर प्रोजेक्ट पर सीबीआई की चार्जशीट

लखनऊ। ताज कॉरिडोर घोटाले का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। ताज कॉरिडोर को लेकर 12 अक्टूबर 2012 को हुई मिशन मैनेजमेंट बोर्ड की बैठक के अगले दिन ही तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने नसीमुद्दीन सिद्दीकी से पर्यावरण मंत्रालय लेकर खुद के पोर्टफोलियो में जोड़ लिया था। ताज कॉरिडोर घोटाले को लेकर सीबीआई की ओर से दाखिल चार्जशीट में इसका जिक्र किया गया है। चार्जशीट में केंद्रीय एजेंसी ने लिखा है कि इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री की परियोजना में विशेष रुचि थी। ताज कॉरिडोर घोटाले में 22 मई को विशेष न्यायाधीश ऐंटी करप्शन सीबीआई पश्चिम लखनऊ अजय विक्रम सिंह की कोर्ट में सुनवाई होने वाली है। इसके चलते एक बार फिर से यह मामला चर्चा में आ गया है। सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक परियोजना के प्रस्ताव पर काम नसीमुद्दीन के पर्यावरण मंत्री रहते जुलाई 2002 में शुरू हुआ था। मायावती ने 13 अक्टूबर 2002 को भले ही नसीमुद्दीन सिद्दीकी से मंत्रालय ले लिया था लेकिन वह संबद्ध मंत्री के रूप में काम कर रहे थे।

कूड़ाघर बन गए यूपी के शहर : अखिलेश

» बोले-भाजपा ने विकास नहीं बकवास किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव गोरखपुर से चुनावी जनसभा की शुरुआत करने के अगले दिन सोमवार को लखनऊ में मैदान में उतरे और वोट मांगे। सपा अध्यक्ष ने कुकरैल बंधे से गोमती में गिरते गंदे नाले को दिखाते हुए सवाल किया कि क्या यह भाजपा का विकास है। शहर में नाले, नालियां गंदगी से भरी हैं। साफ पानी उपलब्ध नहीं है। कूड़ा निस्तारण नहीं हो रहा है।

कूड़े से बिजली नहीं बनी। भाजपा ने शहर को कचराघर बना दिया है। यहां से वह गोमतीनगर स्थित किसान बाजार भी गए। वहां जुटे लोगों से बातचीत कर सपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसान बाजार बेच दिया और किसानों के साथ धोखा किया।

मेट्रो से सपा प्रमुख ने किया प्रचार

उन्होंने मेट्रो से यात्रा कर सपा सरकार में लखनऊ में हुए कार्यों को गिनाया। गोमती में गिरते गंदे नाले को दिखाते हुए भाजपा की नाकामियां गिनाई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शाम करीब छह बजे श्रृंगारनगर मेट्रो स्टेशन से प्रचार यात्रा पर निकले। वह सपा की महापौर पद की प्रत्याशी वंदना मिश्रा सहित अन्य नेताओं के साथ भूतनाथ मेट्रो स्टेशन पहुंचे। इस बीच विभिन्न स्टेशनों पर खड़े पार्टी नेताओं व मेट्रो यात्रियों का अभिवादन किया और पार्टी उम्मीदवार को जिताने की अपील की। कुकरैल बंधे से आगे रिवट फ्रंट के पास पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपा सरकार के कार्यकाल में किए गए कार्यों को गिनाया। बताया कि सपा कार्यकाल में बने मेट्रो स्टेशनों को भाजपा आगे नहीं बढ़ा पाई। लोहिया पार्क एवं जनेश्वर मिश्र पार्क, इकाना स्टेडियम, पुलिस मुख्यालय, मेडिकल संस्थान आदि से लखनऊ को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली।

झूठ को सच बताने के लिए अमेरिकी एजेंसी को दिए 200 करोड़ रूपये

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि झूठ को सच बताने के लिए भाजपा सरकार ने एक अमेरिकी एजेंसी को 200 करोड़ रुपये दिए हैं। मुख्यमंत्री जनता की समस्याओं और सुविधाओं पर बात नहीं करते हैं। उनसे विकास, सड़क, महंगाई और बेरोजगारी कुछ भी पूछा जाए तो उनका जवाब होता है तमंचा। तमंचा संस्कृति अभी वह भूले नहीं हैं। अतीत की यादें जल्दी जाती नहीं है। अगर वह स्वयं अपने तमाम केस वापस नहीं लेते तो बहुत लंबी चार्जशीट बनी होती। भाजपा सरकार ने कोई विकास कार्य नहीं किया तो मुख्यमंत्री और उनके मंत्रीगण किस विकास की बात बताएंगे? जहां तक कानून व्यवस्था की बात है, नेशनल क्राइम ब्यूरो के आंकड़े देख लें। भाजपा ध्यान हटाने के लिए शहरी मुद्दों को नहीं उठा रही है।

ये पब्लिक है सब जानती है...

चुनाव आते ही भाषण में आने लगते हैं तीखे बोल

» क्या भाजपा, क्या कांग्रेस सब एक से बढ़ कर एक

» रावण, सांप, विषकन्या गालियों की भरमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। चुनाव आते ही एक बार फिर नेताओं के तीखे बोल व भाषण प्रतिद्वंद्वियों के कानों में नस्तर चुभाने लगे हैं। कोई किसी को जहरीला सांप तो कोई किसी को विषकन्या बता रहा है तो कोई किसी को रावण बता रहा है।

खैर ये तो होता है, होना ही था क्योंकि आज हमारे नेताओं के पास शब्दों की कमी हो गई है तभी तो वह इस तरह की बाते बोल कर विवाद पैदा कर देते हैं जब मामला बढ़ने लगता है तो एक ही रटा रटाया बयान देते हैं मेरा इरादा किसी को दुख पहुंचाना नहीं था । फिर मामला वार-पलटवार पर आ जाता है। हद तो तब जाती है जब गालियों की संख्या तक बताई जाने लगती है। उससे भी बढ़कर गाली कौन कितनी बड़ी दे सकता इसमें होड़ लग जाती है। हालांकि कभी-कभी ऐसा होता है चुनाव के दिनों में ये मुहावरे ज्यादा हवा में रहते हैं उसके बाद चुनाव खत्म सब खत्म। कुल मिलाकर नेताओं को सोचना चाहिए कि उन्हे जनता देख रही और वह इसका हिसाब वोटिंग के समय कर देती है।

कांग्रेस की योजनाएं शुरू कीं, पर लाभ बिचौलियों को मिला

पीएम ने कहा, कांग्रेस ने गरीबी हटाओ के नाम पर कई योजनाएं शुरू की मगर लाभ बिचौलियों और भ्रष्टाचारियों को मिला। असली लाभार्थी तक तो उसका हक पहुंचा ही नहीं था। कांग्रेस के प्रधानमंत्री ने कहा था कि केंद्र से 1 रुपया भेजते हैं तो सिर्फ 15 पैसा पहुंचता है मगर 85 प्रतिशत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। कर्नाटक की माताओं-बहनों और बेटियों ने कांग्रेस सरकार की लापरवाही और अनदेखी की वजह से सबसे ज्यादा तकलीफें झेली हैं। कांग्रेस ने कभी महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और उनके रोजगार की चिंता नहीं की। पीएम ने कहा,मुझे यकीन है कि कर्नाटक की जनता थकी और हारी कांग्रेस को नहीं बल्कि जोश से भरी भाजपा की टीम को अवश्य चुनने वाली है।

कर्नाटक चुनाव के बाद पटना में ताकत दिखाएगा विपक्ष

बिहार में विपक्षी एकता को लेकर बैठक जल्द ही होने वाली है। सीएम नीतीश कुमार ने सीएम ममता बनर्जी का अनुरोध स्वीकार कर लिया है। नीतीश कुमार ने ऐसे संकेत दिए। संभवना ही कर्नाटक चुनाव के बाद पटना में विपक्ष की ताकत दिखे। विपक्ष एकता को लेकर पटना में बैठक करने की बात को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग सभी नेताओं के साथ मिलकर बातचीत कर रहे हैं। अभी कुछ और लोगों से बातचीत होनी है। इसके बाद तय हो जायेगा कि कहां पर बैठक होगी। बहुत लोगों की राय है कि बैठक पटना में होनी चाहिए। सभी लोगों की राय से यह सब तय होगा। सीएम नीतीश ने कहा कि सभी लोग अगर चाहेंगे तो बिहार में जरुर बैठक होगी। अभी एक राज्य में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। कई दल उस चुनाव में लगे हैं चुनाव के बाद यह सब होगा। बिहार में सभी पार्टियों के साथ मीटिंग होगी तो यह खुशी की बात होगी। जो भी होगा वह सभी लोगों की राय से ही होगा। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से हुई मुलाकात के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी तबीयत खराब थी। दिल्ली में भी हमने उनसे मुलाकात की थी। अब यहां आये हैं तो हमारी उनसे मुलाकात हुई है। दरअसल, 24 अप्रैल को जब सीएम नीतीश कुमार विपक्षी एकता को लेकर कोलकाता गए थे तो ममता बनर्जी उनसे रिक्वेस्ट किया था। ममता बनर्जी ने कहा कि हम लोगों ने नीतीश जी से रिक्वेस्ट किया है कि जिस तरह से जेपी मूवमेंट की शुरुआत बिहार से हुई थी। अगर हमलोग बिहार में सभी पार्टी मिलकर मीटिंग करें। कहां जाना है? क्या करना है? क्या मेनिफेस्टो बनाना है? यह सब बाद में तय करेंगे। लेकिन पहले एक मैसेज देना है कि हमलोग सब एक साथ हैं। मेरा इसमें कोई एतराज नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था विपक्ष एकता पर हमलोगों की जो बातचीत हुई, वह मुख्य रूप से यह है कि हमलोगों को ज्यादा से ज्यादा सभी पार्टियों के साथ मिलकर कर अगले लोकसभा के चुनाव से पहले पूरी तैयारी करनी है। नीतीश कुमार ने कहा कि सभी लोग आपस में बैठकर बातचीत करें और आगे का सब कुछ तय करें। देश हित में आगे जो कुछ भी करना है इस पर विचार कर लें।

थकी और हारी हुई कांग्रेस : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कर्नाटक के हुमुनाबाद, बेलागावी और विजयपुरा में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। बेलगावी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, यहां विकसित भारत के लिए विकसित कर्नाटका का मंत्र गूंज रहा है। कुछ महीने पहले मुझे यहां आने का अवसर मिला था। तब पूरे रास्ते माताओं और बहनों ने मुझपर जिस तरीके से अपना आशीर्वाद बरसाया मैं उसे कभी भूल नहीं सकता। पीएम ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा आपका इतनी बड़ी संख्या में यहां आना... आपका यह अपार स्नेह...आपका यह अपनापन मुझे कर्नाटक के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देता है। आज मैं आपके बीच बीजेपी के एक समर्पित कार्यकर्ता...आपके एक साथी के रूप में आया हूं। पीएम ने कहा, आप कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के विस्तार और विचार को अपने परिश्रम से सींचा है। आपने एक छोटे से पौधे को वटवृक्ष बनाने में बहुत बड़ा सहयोग दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में परंपरा भी है और तकनीक भी। यहां स्टार्टअप्स और संस्कृति को एक साथ मजबूत करने की जरूरत है। कर्नाटक वह अद्भुत भूमि है जहां भारत की प्राचीन और आधुनिक पहचान एक साथ मिलती है और समृद्ध होती है। पीएम ने कहा कि अस्थिर सरकारों के कालखंड से कर्नाटक का बहुत नुकसान हुआ है। कर्नाटक जैसे समृद्ध महान परंपरा वाले राज्य में अस्थिर सरकार के कारण यहां के युवाओं के सपने चूर-चूर हो गए। कर्नाटक को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए भाजपा ही एक स्थिर और मजबूत सरकार दे सकती है। वहीं कर्नाटक के विजयपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस कांग्रेस ने भगवान बसवन्ना के शिक्षा को कुछ नहीं समझा, जिसने बाबा साहेब अंबेडकर का हमेशा विरोध किया, वो कांग्रेस कभी भी दलितों, पिछड़ों का भला नहीं कर सकती।

मैं रावण हूं तो तुम राम बन जाओ : अशोक गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के रावण वाले बयान पर जवाब दिया है। गहलोत ने चूरू के तारानगर में महंगाई राहत कैंप के दौरान गजेंद्र सिंह शेखावत हमला बोला। गहलोत ने कहा, रावण रूपी अशोक गहलोत को हमें खत्म करना है। मैं इसका भी स्वागत करता हूं। भाई हम तो रावण हैं। आप मर्यादा पुरुषोतम राम की तरह व्यवहार तो करो, उन्हें गरीब लोगों का पैसा डूब गया है, उनको दिला दो हम मान जाएंगे कि आप राम के फॉलोअर हैं, हम रावण के फॉलोअर हैं। गहलोत ने कहा कि बीजेपी कर्नाटक में बुरी तरह से हार रही है इसलिए ये लोग बौखला गए हैं, यह बौखलाहट वाली भाषा बोल रहे हैं, शेखावत ने मुझे रावण बताया है जनता को तय करना है कि मैं रावण हूं या प्रथम जनसेवक, जिस तरह से शेखावत मंत्री बोले हैं उनसे कहना चाहता हूं कि दो ढाई लाख लोगों को लूट लिया है उन्होंने और उनके दोस्तों ने एक साथ मिलकर कई कंपनियां बनाई ब्याज का लालच देकर ढाई लाख लोगों को लूट लिया। मेरे पास वो लोग आए थे, उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। बूढ़े बूढ़े लोग थे किसी के 25 लाख किसी का 50 लाख किसी का एक करोड़ रुपया लूट लिया गया केंद्रीय मंत्री शेखावत के सभी दोस्त जेल में बैठे हैं। केंद्रीय मंत्री को चिंता होनी चाहिए कि उन लोगों को पैसे कैसे वापस दिलाएं, केंद्रीय मंत्री बहुत बड़ा पद होता है, इस पद पर तुम बैठे हुए हो अब बता दीजिए कि वह खुद एसओजी का मुलजिम बन गए हैं, जांच के अंदर गजेंद्र सिंह शेखावत को एसओजी ने दोषी माना है, मुझ पर दिल्ली में मानहानि का केस कर दिया, मैंने उसका भी स्वागत किया चलो अच्छा ह, इसी बहाने सरकार व जुडिशरी का ध्यान उन्हें गरीब परिवारों की तरफ जाएगा जिनका रुपया डूब गया है।

भाजपा-कांग्रेस पहुंची चुनाव आयोग

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी, कांग्रेस नेता पवन कुमार बंसल, मुकुल वासनिक सहित कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है। राज्य में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। इन सब के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर भाजपा चुनाव आयोग पहुंची थी। अब कांग्रेस भी चुनाव आयोग पहुंच चुकी है। कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ शिकायत की है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हमने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व विशेष तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की आपत्तिजनक और भ्रामक टिप्पणियों के खिलाफ शिकायत की है। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ बयानों के लिए अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी, कांग्रेस नेता पवन कुमार बंसल, मुकुल वासनिक सहित कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की है। सिंघवी ने कहा कि हमने चुनाव आयोग के समक्ष दो तीन विषय उठाए हैं। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा भाजपा के बड़े नेताओं के बयान हैं। हमने गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों नेताओं ने तीन-चार ऐसे बयान दिए हैं जो उकसाने वाले, सांप्रदायिक, आपसी वैमनस्य और नफरत फैलाते हैं। सिंघवी ने कहा कि भाजपा के नेताओं की तरफ से कांग्रेस के खिलाफ निराधार आरोप लगाए गए हैं तथा अल्पसंख्यकों के विरूद्ध आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग से कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी जहरीली सांप टिप्पणी को लेकर आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव से भी उन्हें बाहर करने की बात कही है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व में भाजपा का एक दल निर्वाचन आयोग से मुलाकात करने पहुंचा था। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि खड़गे की जहरीला सांप संबंधी टिप्पणी जुबान फिसलने का नतीजा नहीं, कांग्रेस के नफरती अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र की मर्यादा को तोड़ने काम किया है, देश में नकारात्मक राजनीति करने का काम किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नहीं होना चाहिए सीमा पर तनाव

भारत, रूस, चीन और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अन्य सदस्य देशों ने 28 अप्रैल को नयी दिल्ली में बैठक की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बैठक की अध्यक्षता की। रक्षा मंत्री ने इस बैठक में कहा, कि अगर हम एससीओ को मजबूत और अधिक विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय समूह बनाना चाहते हैं तो हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटना होनी चाहिए। इसमें सीमा तनाव का मुद्दा छाया रहा। गलवान घाटी की घटना के बाद भारत की जमीन पर पहली बार दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की मुलाकात हो रही थी। रक्षामंत्री का लहजा इसमें सख्त रहा और उन्होंने अपने चीनी समकक्ष से हाथ भी नहीं मिलाया। उन्होंने दो-टूक कहा कि चीन पहले सीमा से सैनिक मोर्चाबंदी और जमावड़ा खत्म करे, तभी रिश्तों की बेहतरी हो सकती है।

भारत और चीन के संबंधों में पिछले पांच-छह वर्षों में देखा जाए, तो लगातार गिरावट आ रही है। 2017 का डोकलाम हो या फिर 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुआ संघर्ष हो। चीन की जितनी भी हरकतें हैं, भारत अब उसके लिए बहुत सख्त हो गया है। भारत अपनी सीमा-सुरक्षा और संप्रभुता को लेकर हमेशा से ही संजीदा रहा है, चीन की जो विस्तावरवादी नीति है, उस पर भारत की हमेशा ही सजग दृष्टि रही है, भारतीय रक्षामंत्री ने स्पष्ट शब्दों और लहजे में यह जता दिया है कि जब तक सीमा पर शांति नहीं होगी, बाकी बातें संभव नहीं हैं। यही बात विदेश मंत्री एस जयशंकर भी कई बार कह चुके हैं, भारत यह साफ कर चुका है कि सीमाओं के पुनर्निर्धारण का कोई विचार नहीं है, जो मौजूदा द्विपक्षीय संधियां हैं, उसी के आधार पर दोनों देशों के संबंधों का निर्धारण और संचालन होगा। चीन को भी यह जितनी जल्दी समझ में आ जाए, उतना बढ़िया है। भारतीय रक्षामंत्री ने कल भी इस बात को दोहराया और अपने बॉडी-लैंग्वेज से भी उन्होंने दिखाया कि भारत का रुख काफी सख्त है। उन्होंने बाकी देशों के रक्षामंत्रियों के साथ जिस तरह गर्मजोशी से हाथ मिलाया और चीनी रक्षामंत्री शांगफू से केवल नमस्कार कर काम चलाया, वह भी बहुत कुछ दिखाता है, इससे साफ संकेत चीन के लिए कुछ नहीं हो सकता है। चीनी रक्षामंत्री का भारत आना ही यह दर्शाता है कि चीन की जो वुल्फ-वॉरियर डिप्लोमेसी है, यानी दो कदम आगे और एक कदम पीछे की जो नीति है, यह उसी का हिस्सा है। भारत ने अब यह जान लिया है कि युद्ध और वार्ता एक साथ नहीं चल सकतीसब ठीक है पर भारत को सर्तकता के साथ अपेन पड़ोसियों से सबंध बनाए रखना चाहिए ताकि देश के अहित में काई काम न हो पाए।

भारत और चीन के संबंधों में पिछले पांच-छह वर्षों में देखा जाए, तो लगातार गिरावट आ रही है। 2017 का डोकलाम हो या फिर 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुआ संघर्ष हो। चीन की जितनी भी हरकतें हैं, भारत अब उसके लिए बहुत सख्त हो गया है। भारत अपनी सीमा-सुरक्षा और संप्रभुता को लेकर हमेशा से ही संजीदा रहा है, चीन की जो विस्तावरवादी नीति है, उस पर भारत की हमेशा ही सजग दृष्टि रही है, भारतीय रक्षामंत्री ने स्पष्ट शब्दों और लहजे में यह जता दिया है कि जब तक सीमा पर शांति नहीं होगी, बाकी बातें संभव नहीं हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनधन की गुणवत्ता में ही राष्ट्रीय हित

दीपिका अरोड़ा

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक जनसंख्या रिपोर्ट, 2023 जारी की। इसके अनुसार, भारत चीन को पछाड़कर पहले नम्बर पर जा पहुंचा है। राष्ट्रीय स्तर पर ताजा जनगणना आंकड़े अनुपलब्ध होने की स्थिति में भले ही इसे विश्वसनीय आंकने में तनिक गुरेज हों किंतु यह भी विचारणीय है, द्रुतगति से बढ़ती जनसंख्या राष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर विषय अवश्य बन चुकी है। स्वतंत्रता उपरांत जनसंख्या सुनियोजन प्रयासों में आशातीत सफलताएं न मिलना, वर्तमान चुनौतियों के रूप में उजागर हो रहा है।

देश की वर्तमान जीवन स्तरीय स्थिति का अवलोकन करें तो सर्वप्रथम बात आती है मूलभूत आवश्यकताओं की। भोजन जीवन की अनिवार्यता है, किंतु प्राप्त आंकड़े बताते हैं कि कृषि प्रधान भारतवर्ष में आज भी लाखों लोग दो वक्त के लिए भरपेट भोजन नहीं जुटा पाते। वैश्विक भुखमरी सूचकांक, 2022 के अनुसार, 121 देशों की श्रेणी में 107वें पायदान पर अंकित भारत, दुनिया की तीव्रतम विकास करती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होने के बावजूद, भूख व कुपोषण हटाने के स्तर पर विकसित नहीं हो पाया। देश में भूख के कारण प्रतिवर्ष होने वाली मौतों की संख्या भी चिंता की बात है। सूचकांक के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर सबसे सस्ता पोषक भोजन भारत में उपलब्ध होने पर भी, एक बड़ी संख्या में भारतीय लोग कुपोषण का शिकार पाए गए। यही नहीं, भारत की चाइल्ड वेस्टिंग दर (लंबाई के अनुपात में कम वजन) विश्व के अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक है। विशाल जनसंख्या के कारण इसका औसत और भी बढ़ जाता है। आंकड़ों के अनुसार, देश में पांच साल से कम आयुवर्ग के लगभग 4500 बच्चे प्रतिदिन भूख व कुपोषण के चलते जीवन से हाथ धो बैठते हैं। भारत के बाइस करोड़ लोग कुपोषित श्रेणी में आते हैं। देश में व्याप्त अल्पपोषण व्यापकता स्तर वर्ष 2018-2020 के 14.6 प्रतिशत से बढ़कर 2019-2021 में 16.3 प्रतिशत पर पहुंच गया। निश्चय ही निम्न जीवनस्तर परिवार के लिए पर्याप्त-पोषक आहार उपलब्धता को प्रभावित करता है।

अनियोजित परिवार में सदस्यों की बढ़ती संख्या इस समस्या को विकरालता तक पहुंचाने का सबब बनती है, हालांकि व्यवस्थात्मक कुप्रबंधन भी अपने स्तर पर इसमें बराबर का भागीदार है। प्रतिवर्ष लाखों टन क्षुधापूरक अन्न असंतोषजनक प्रणाली की भेंट चढ़ जाता है। भारत में कुल वार्षिक खाद्य उत्पादन का लगभग 7 प्रतिशत तथा फल-सब्जियों का 30 प्रतिशत, अपर्याप्त भंडारण सुविधाओं एवं कोल्ड स्टोरेज के अभाव में बर्बाद हो जाता है। देश में निर्धनता दर की बात करें तो नीति आयोग द्वारा जारी बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 की रिपोर्ट के आधार पर भारत की जनसंख्या के 25.01 फीसदी लोगों को बहुआयामी निर्धन के रूप में परिभाषित किया गया। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में गरीबी दर क्रमश: 32.75 प्रतिशत व 8.81 प्रतिशत रही। जीर्ण-शीर्ण आवरणों से देह ढांपने का असफल प्रयास करते अनेक लोग आज भी स्टेशन, गली-कूचों, चौराहों में नजर आ जाएंगे। इस अभिशप्तता का कारण कहीं रोजगार की कमी है तो कहीं दुर्व्यसनों अथवा प्रमाद की लत। भले ही दलगत राजनीति में आवासीय सुविधा प्रदान करना वोट बैंक भुनाने का प्रमुख मुद्दा रहा हो किंतु कटु सत्य यही है कि आज भी राष्ट्रीय आबादी का एक हिस्सा खुले में रात गुजारने हेतु विवश है। इस संदर्भ में भूक्षेत्रीय उपलब्धता आंकें तो वैश्विक क्षेत्रफल में मात्र 2.4 प्रतिशत के करीब प्रतिभागिता दर्ज करवाने वाले भारत के समक्ष निरंतर विशाल होती जनसंख्या को आवासीय सुविधा मुहैया करवा पाना इतना सरल नहीं। पूर्व में ही वन्य सम्पदा का एक वृहद अंश इस कंक्रीट सभ्यता निर्माण की भेंट चढ़ चुका है। यद्यपि यूएन आंकड़ों के अनुसार, भारत का वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक युवा आबादी वाला देश होना एक सकारात्मक बिंदु है तथापि यह भी विचारणीय है कि क्या देश की शैक्षणिक व्यवस्था कौशल के स्तर पर अपेक्षित रूप से प्रमाणित सिद्ध हो पाई? 30 वर्ष से कम इस आधी आबादी के लिए उनकी योग्यतानुसार रोजगार अवसर सृजन का आंकड़ा कहां तक पहुंच पाया, वास्तविकता 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) द्वारा बेरोजगारी संबद्ध किया गया सर्वेक्षण बताता है कि नवंबर, 2022 में 8 फीसदी रहा बेरोजगारी का आंकड़ा दिसंबर माह में बढ़कर 8.3 फीसदी हो गया। अपेक्षाओं व भविष्य की चिंताओं की परिपाटी में पिसते कितने नौजवान आत्महत्या हेतु प्रवृत्त हुए, इस विषय पर प्रकाश डालती है एनसीआरबी की रिपोर्ट, जिसके अनुसार देशभर में 2017 से 2021 के दौरान छात्र आत्महत्याओं में 32 फीसदी वृद्धि हुई। 2017 में दर्ज 9,905 मामले, प्रतिवर्ष अनवरत बढ़ते हुए 2021 तक 13,089 पर जा पहुंचे। नि:संदेह, जनधन किसी भी देश की सबसे बड़ी शक्ति है किंतु राष्ट्रीय हित में उसका सदुपयोग तभी संभव है जब उसके सर्वांगीण विकास हेतु सभी पक्षों पर बराबर ध्यान दिया जाए। उच्च जीवन स्तर, पर्याप्त रोजगार, सीमित प्राकृतिक संसाधनों के समान आवंटन आदि की परिकल्पना तभी फलीभूत हो सकती है, जब योजनाएं सारगर्भित हों।

कश्मीर में अव्यवस्था पर शीघ्र कार्रवाई का वक्त

गुरबचन जगत

जिस शातिराना ढंग से हमारे सैनिकों पर घात लगाकर हमला हुआ है, उससे राजौरी और पुंछ एक बार पुन: खबरों की सुर्खियों में हैं; उनमें शहीद हुए 5 सैनिकों में 4 पंजाब से हैं। कोई शक नहीं कि यह करतूत भी सीमा पार से शत्रुता निभाने वालों के निर्देशों और मदद पाये आतंकवादियों की है। इस हमले की तफ्सील में जाने से पहले इस क्षेत्र के इतिहास का जिक्र करना चाहूंगा। पिछली सदी के आखिरी सालों में, राजौरी, पुंछ, उधमपुर के गुल एवं महोर और डोडा क्षेत्र की ऊंची पहाड़ियों पर सुरक्षा बलों पर और सामान्य नागरिकों (अधिकांशत: हिंदू) पर हमलों की झड़ी-सी लग गई थी। यह तमाम इलाका पीर पंजाल पर्वतमाला की जम्मू की तरफ पड़ती ढाल में पड़ता है और नीचे जाकर घाटी तक जुड़ा है। इन नरसंहारों ने जनता में दहशत भर दी और कुछ लोगों ने निचले क्षेत्रों की ओर पलायन किया।

वक्त के उस बिंदु पर, आतंक फैलाने को उतारू ताकतें और सीमा पार बैठे उनके आकाओं की मंशा स्पष्ट हो चुकी थी। वे चाहते थे इस क्षेत्र से हिंदुओं का पलायन हो जाए ताकि घाटी तक का सारा इलाका मुस्लिम बहुल बन जाए। अगर यह साजिश सफल हो जाती तो इससे उधमपुर, कठुआ और जम्मू जिले के इन संभागों में अल्पसंख्यकों की गिनती आधी रह जाती। हालांकि भारत सरकार, राज्य प्रशासन, पुलिस एवं सेना समेत सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से यह षड्यंत्र विफल रहा। जम्मू-कश्मीर पुलिस अपने विशेष कार्यबल के साथ एक सक्षम ताकत बनकर उभरी थी, विशेषकर, जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने की सामर्थ्य बनाने में। इसके अलावा, बड़े स्तर पर बनाई गई ग्राम सुरक्षा समितियां बहुत कारगर रहीं। इस मॉडल पर क्रियान्वयन आगे भी कमोबेश कायम रहा, क्योंकि जमीनी स्तर पर सुरक्षा बलों के बीच आपसी समन्वय और मिलकर काम करना बहुत बढ़िया रहा, इससे हालात काबू में बने रहे। आगे चलकर निजाम में बदलाव हुआ, अंतत: अनुच्छेद 370 हटाने के साथ राष्ट्रपति शासन लागू हो गया।

हालांकि इससे सरकार के खिलाफ कोई बहुत बड़ा विद्रोह तो नहीं उठ खड़ा हुआ लेकिन घाटी और इसके साथ इलाके में चुप्पी और डर की दीवार खड़ी हो गई। घाटी खामोश थी, पहाड़ चुप थे, लोगों के मुंह सिले हुए थे। सुरक्षा बलों की उपस्थिति चहुं ओर थी। हालांकि इस सबसे घाटी में पंडितों की वापसी फिर भी न बन पाई, न ही व कामकाज करने या रहने के लिए उन्हें सुरक्षित महसूस हुआ। अभी तक का परिणाम यह है कि हम चुनाव तक नहीं करवा पाये और न ही राज्य का दर्जा बहाल हुआ है। बेशक, इस बीच आतंकवाद पर नकेल पड़ी और घुसपैठ भी कम रही, जमीनी सतह पर होने वाली आतंकी गतिविधियों में भी कमी आई, विशेषकर जमात-ए-इस्लामी की, किंतु फिर भी पंडितों को विशेष रूप से निशाना बनाकर की गई हत्याएं जब-तब जारी रहीं, जो कि घाटी से एक बार फिर पलायन करने को काफी था। सुरक्षा बल काफी सक्रिय रहे किंतु राजनीतिक गतिविधियों की अनुपस्थिति में, लोगों में सहम और खामोशी बरकरार रही। इस चुप्पी के नतीजे में, मुझे डर है कि वास्तविक धरातल से मिलने वाली खुफिया जानकारी काफी हद तक कम हो जाएगी और इससे सुरक्षा बलों की अभियान-क्षमता पर असर पड़ेगा।

हमें भूलना नहीं चाहिए कि पाकिस्तान, कुख्यात आईएसआई और आतंकी संगठनों के प्रयास लगातार जारी हैं। डांवांडोल हुई अर्थव्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा से पाकिस्तान की अंदरूनी हालत बिगड़ती जा रही है। कुछ हद तक पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा बनाई अस्थिरता के बीच, पाकिस्तानी व्यवस्था के राजनीतिक और न्यायिक अंगों में आपसी तनातनी जारी है। इस सबके बीच, पाकिस्तानी सेना गड़बड़ी भरे घटनाक्रम पर नज़र रखे हुए है और प्रभावशाली चोट करने के लिए सही घड़ी के इंतजार में है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की प्रस्तावित भारत यात्रा इसमें उत्प्रेरक का काम कर सकती है। कश्मीर समस्या पर पाकिस्तान का संकुचित रवैया और भारत में आतंकी गतिविधियों को एक बार पुन: विशेष मदद देकर बढ़ाने के काम से कश्मीर में शांति पर तुलनात्मक असर होकर रहेगा। इसके साथ ही, हाल ही में इस्लामिक राष्ट्रों का संगठन पाकिस्तान की सहायता को फिर से आगे आया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान को चलाने वाला धूर्त तंत्र हमेशा सभी पक्ष से मिलकर खेल खेलता आया है और किसी न किसी तरह अपनी प्रासंगिकता बना ही लेता है। इस क्षेत्र को लेकर अमेरिका का अपना एक एजेंडा है, जिसके लिए उसे पाकिस्तानी अड्डों की जरूरत है।

चीन अपने ढंग से उल्लू सीधा करने में लगा है। अरब जगत पाकिस्तान को एक साथी मानता है (परमाणु शक्ति संपन्न एकमात्र इस्लामिक राष्ट्र होने की वजह से)। भारत के प्रति चीन के शत्रुतापूर्ण रवैये और कश्मीर पर नीति की वजह से स्थितियां आगे और जटिल बन जाती हैं। इस क्षेत्र को लेकर उसकी विशेष मंशा है, जो एकदम स्पष्ट है और यह लद्दाख को ग्वादर बंदरगाह से जोड़ने वाले बेल्ट एंड रोड के रूट में साफ परिलक्षित होती है। राजकीय रुतबा बदलने और उसके बाद वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा पर घटनाक्रम को लेकर चीन ने काफी जोर-शोर से एतराज जताया था। एक तरफ, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का विशाल भूभाग चीनी नियंत्रण के नीचे है तो वहीं दूसरी ओर वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आक्रामक रुख कायम रखे हुए है। डेपसांग मामले पर कोई प्रगति नहीं हो पाई वहीं अरुणाचल के मुद्दे को भी घसीटा जा रहा है।

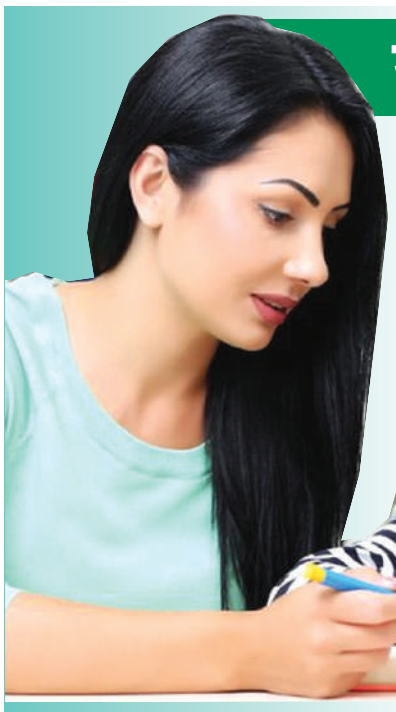

इन तरीकों से बच्चों में बढ़ाएं पढ़ाई में रुचि

खुद भी पढ़ें पुस्तकें

बच्चे अक्सर चीजें देख कर सीखते हैं। घर पर जो माता पिता या परिवार के सदस्य करते हैं, बच्चे उसे दोहराते हैं। ऐसे में बच्चे का रोल मॉडल बनें। उनके सामने आप भी किताब पढ़ें, ऐसे में वह आपकी देखादेखी पुस्तक पढ़ने लगेंगे। वहीं जब बच्चा कोई किताब पढ़ रहा है तो उसका साथ देने के लिए किताब पढ़ें ताकि वह बोरियत महसूस न करे।

पढ़ने की जगह बनाएं

कई बार माहौल बच्चे को पढ़ने लिखने के लिए प्रोत्साहित करता है तो उसका ध्यान भी भटकता है। ऐसे में पढ़ने के लिए एक सकारात्मक माहौल होना चाहिए। बच्चे के पढ़ने के लिए एक जगह बनाएं। कुर्सी टेबल और उस पर कुछ किताबें रखें, जिस पर बैठकर बच्चा आराम से पढ़ सके।

सही किताबों का करें चयन

बच्चों की रुचि के विषय पर किताब खरीदने के साथ ही अन्य बातों का ध्यान रखें। जैसे, किताब में अधिक तस्वीरें हों, बड़े या उभरे अक्षर हों या देखने व पढ़ने में किताब आकर्षक लगे। ऐसे में बच्चा मन से किताब पढ़ने में रुचि लेगा।

किताबें इंसान की सबसे बेहतर साथी बन सकती हैं। किताबें किसी भी उम्र के शख्स के विकास में सहायक हो सकती हैं। किताब केवल ज्ञान का स्त्रोत नहीं, बल्कि दिमाग को सक्रिय रखने, इमेजिनेशन बढ़ाने, ब्रेन सेल्स को मजबूत करने और संवाद को बेहतर बनाने के लिए शब्दावली को मजबूत करने के लिए भी अच्छा माध्यम है। हालांकि मौजूदा समय में कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रति लोगों की बढ़ती दिलचस्पी ने उन्हें किताबों से दूर कर दिया है। अगर बच्चा किताब पढ़ने से दूर भागता है, तो कुछ तरीकों को अपनाकर उसकी दिलचस्पी को बढ़ा सकते हैं।

कोर्स के अलावा भी दूसरी किताबें पढ़ने के लिए दें

बच्चे को सिर्फ उसकी पढ़ाई से जुड़ी किताबें पढ़ने का दबाव न बनाएं। बच्चे की रुचि को समझते हुए उसके मुताबिक किताबें पढ़ने के लिए दें। कोर्स की किताबे बच्चे अक्सर मजबूरी में पढ़ते हैं, भले ही उनका मन न हो। लेकिन अन्य किताबों को वह रुचि के साथ पढ़ते हैं। शौक या रुचि के साथ पुस्तक पढ़ने की आदत उन्हें दूसरी किताबों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

हंसना मना है

पत्नी- हम कहां जा रहे हैं? पति- लॉन्ग ड्राइव पर.. पत्नी- तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? पति- मुझे भी अभी-अभी पता चला, जब ब्रेक फेल हो गए!

टीचर ने पूछा- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए..? छात्र- क्योंकि पता नहीं परीक्षा में किसके पीछे बैठना पड़ जाए। टीचर बेहोश

सेल्समैन- सर कॉकरोच के लिए पाउडर लेंगे क्या? पप्पू- नहीं हम कॉकरोच को इतना लाड़-प्यार नहीं करते..! आज पाउडर लगा देंगे तो कल हो सकता है परफ्यूम मांगे...!!! सेल्समैन बेहोश...

कंजूस महिला दुकानदार से- ऐसा साबुन दो जो कम घिसे और नहाने के बाद चेहरे पे लाली लाए... दुकानदार नौकर से- मैडम को एक ईंट का टुकड़ा दे दो...!

लड़का लड़की होटल में गए... वेटर- मैम आप क्या लेंगी? लड़की- मिर्च वाला घेवर..!! वेटर- क्या...? लड़की- बोला न मिर्च वाला घेवर...!! वेटर (हैरानी से)- क्या...? लड़का- अरे भाई गांव की है, तू टेंशन मत ले, पिज्जा मांग रही है!!!

कहानी | गौरैया और बंदर

एक बार की बात है, एक जंगल के किसी घने पेड़ पर एक गौरैया का जोड़ा रहता था। वो उस पेड़ पर अपना घोंसला बनाकर गुजर-बसर करते थे। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। फिर आया सर्दियों का मौसम, इस बार बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी बंदर कांप रहे थे और बहुत ही परेशान थे। पेड़ के नीचे बैठने के बाद वो आपस में बात करने लगे कि काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। उसी बीच एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने दूसरे बंदरों से कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इकट्ठा करके जलाते हैं। उन बंदरों ने पत्तियों को एक जगह इकट्ठा किया और उन्हें जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। ये सब देखकर उससे रहा नहीं गया और वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो? देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर क्यों नहीं रहते? गौरेया की बात सुनकर ठंड से कांप रहे बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। इतना कहने के बाद वो फिर आग जलाने के बारे में सोचने लगे और अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो इस काम में कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। इससे बंदर निराश हो गए। इतने में फिर से गौरेया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरेया के घोसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत होगा। उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय में सोच-समझकर निर्णय लें।

वृषभ आपके लिए आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम और रोमांस बढ़ेगा। प्रेम जीवन जीने वालों को भी अच्छे नतीजे मिलेंगे। सेहत थोड़ी कमजोर हो सकती है।

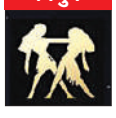

मिथुन आज संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। बच्चों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। घरेलू महिलाओं के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है।

कर्क आज आप आनन्द का अनुभव करेंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा सकते हैं।

सिंह आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। आप अपनी भरपूर ऊर्जा से लबरेज रहेंगे और से आपके काम के सिलसिले में आपको बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे।

कन्या आज परिवार के सदस्यों के साथ कोई महत्वपूर्ण बातचीत होगी, जिससे पारिवारिक स्थिति बेहतर होगी। आज लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे।

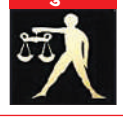

तुला आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रोग और शत्रु की वृद्धि होगी। जल्द ही सफलता के द्वार खुलेंगे। योजनाओं और मनोभावों में बदलाव आ सकता है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहने वाला है। आप अपने रिश्ते को बहुत बढ़िया बनाएंगे और आपके चारों ओर के लोगों को खुश रखने का प्रयास करेंगे।

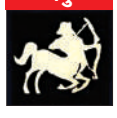

धनु आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज सोच-विचार कर लिए गए फैसले फायदेमंद होंगे। आज भरोसेमंद दोस्तों की सलाह आपके बहुत काम आयेगी।

मकर आपको परिवार से पूर्ण सहयोग मिलेगा। विरोधी शांत होंगे। धन का लाभ होगा। आपके प्रिय का अस्थिर बर्ताव आज रोमांस को बिगाड़ सकता है।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए सामान्य रूप से फलदायक रहेगा। आप अपने परिवार के साथ समय को एंजॉय करेंगे। काम के सिलसिले में आपको अच्छे नतीजे मिलेंगे।

मीन आज कोई नया कार्य शुरू करने का प्लान बनायेंगे, जिसमे बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। काफी समय से चल रही किसी समस्या का आज समाधान हो जायेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहरुख खान की सलाह के बाद बदला मेरा नजरिया : शरद

शरद केलकर पिछले दो दशकों से इंडस्ट्री में अपने अभिनय कौशल का दम दिखा रहे हैं। एक्टिंग से लेकर डबिंग तक में शरद केलकर ने अपनी मेहनत से अपना नाम बनाया है। अभिनेता ने टीवी और फिल्म इंडस्ट्री दोनों में उल्लेखनीय काम किया है। जहां अभिनेता ने हाल ही में साउथ फिल्म दशहरा में सुपरस्टार नानी को आवाज देकर धमाल मचाया है, वहीं वह जल्द ही आदिपुरुष में भगवान राम की आवाज बनकर सिनेमा के पर्दे पर राम नाम की हुंकार भरते दिखाई देंगे। लेकिन इस बीच हाल ही में अभिनेता ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि कैसे शाहरुख खान से सलाह लेने के बाद एक कलाकार या अभिनेता के रूप में काम करने के प्रति उनका नजरिया बदल गया। हाल ही में एक साक्षात्कार में शरद केलकर ने बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के साथ हुई अपनी एक मुलाकात को याद किया। इस मुलाकात के समय शाहरुख खान ने अभिनेता को एक ऐसी सलाह दी थी, जिसने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला था। शरद ने याद करते हुए बताया कि यह घटना लगभग 15 साल पहले एक विदेशी शो के दौरान हुई थी। वह बोले, सिंगापुर था या लंदन, मुझे याद नहीं है। मैं तीन दिन के कार्निवाल में हिस्सा लेने गया था, जहां आपको दो स्लॉट मिलते हैं और आपको दर्शकों के साथ बातचीत करनी होती है। शाहरुख सर के बाद मुझे स्टेज पर जाना था। शेड्यूल के मुताबिक, मुझे 11 बजे तक काम खत्म करना था इसलिए मैंने अपनी पत्नी से कहा कि उसके बाद हम शॉपिंग के लिए निकल जाएंगे।शरद केलकर ने आगे कहा कि, जब शाहरुख खान स्टेज पर चढ़े, तो वह शेड्यूल के हिसाब से नहीं चले और उन्होंने स्टेज पर लंबा समय बिताया। मैं अपनी घड़ी की ओर देखते रहा क्योंकि मैंने अपनी पत्नी से वादा किया था कि मैं उनके साथ रहूंगा और जब तक शाहरुख स्टेज से नीचे आए, तब तक 11 बज चुके थे। मैंने उनसे कहा स्टेज पर आपको आधा घंटा रहना था, लेकिन आप वहां डेढ़ घंटा रहे। इसके जवाब में शाहरुख खान ने मुझ से कहा कि मुझे जितनी फीस दी जाती है, मैं उससे ज्यादा काम करता हूं। शरद के मुताबिक शाहरुख खान की इस स्टेटमेंट ने उन्हें कई मायनों में बदल दिया था।

ऐश्वर्या की PS-2 की हुई दमदार ओपनिंग

भारतीय संस्कृति और अतीत की कहानी को दिखाते हुए फिल्म इंडस्ट्री में कई फिल्में बनी हैं। हाल ही में बॉलीवुड क्वीन ऐश्वर्या राय बच्चन बच्चन की पोन्नियन सेल्वन-2 ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। पिछले कुछ वर्षों साउथ जोन से रिलीज होने वाली कई फिल्मों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। चाहे कांतारा हो या फिर हो दसरा। अलग-अलग जॉनर से आई साउथ की फिल्मों ने हिंदी वर्ग की ऑडियंस पर अपना अलग जादू चलाया है। कुछ ऐसा ही हाल मणिरत्नम की निर्देशित फिल्म पीएस 2 का भी रहा। पिछले साल इस फिल्म का पहला भाग पीएस 1 रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों का अच्छा-खासा प्यार मिला। पीएस 1 के बाद दर्शक पीएस 2 का सिनेमाघरों में बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। पीएस 2 को लेकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर फर्स्ट डे फर्स्ट रिव्यू शेयर किया। वहीं, फिल्म के ओपनिंग डे के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। आजकल की अधिकतर फिल्मों में वीएफएक्स का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। मणिरत्नम की निर्देशित फिल्म पीएस 2 भी ऐसे ही शानदार परिदृश्यों से भरपूर है, जो कि फिल्म के हर एक सीन को रियल दिखाते हैं। यह मूवी तमिल के साथ ही हिंदी, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगू भाषा में भी रिलीज की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुरुआती आंकड़ों में फिल्म ने 32 करोड़ का कारोबार किया है। यह आंकड़े सभी भाषा में रिलीज हुई इस फिल्म को मिलाकर हैं।

यूएई में पीएस 2 नंबर 1

फिल्म क्रिटिक रमेश बाला ने पीएस 2 की सफलता को लेकर यह जानकारी दी है कि यूएई, मलेशिया और सिंगापुर में फ्राइडे टॉप 10 बॉक्स ऑफिस में फिल्म पहले पायदान पर है।

कल्कि कृष्णमूर्ति की नॉवेल पर आधारित है कहानी

पोन्नियिन सेल्वन के पहले और दूसरे भाग की कहानी इसी नाम से आई कल्कि कृष्णमूर्ति की नॉवेल पर आधारित है। पीएस 2 की कहानी वहीं से शुरू होती है, जहां से नंदिनी ने चोल साम्राज्य को खत्म करना ही अपना एकमात्र लक्ष्य रखा है। फिल्म में चियान विक्रम और ऐश्वर्या राय के अलावा तृषा कृष्णन, जयम रवि और कार्थी भी अहम भूमिका में हैं। मूवी में एआर रहमान का म्यूजिक है।

बॉलीवुड | मसाला

द कश्मीर फाइल्स को अवार्ड ने मिलने से नाखुश हुए अनुपम

68 वें फिल्मफेयर अवार्ड्स का आयोजन 27 अप्रैल की शाम को हुआ था। इसमें आलिया भट्ट और डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगुबाई और राजकुमार राव स्टारर फिल्म बधाई दो को बड़ी जीत हासिल हुई। इस अवॉर्ड शो में अनुपम खेर की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को 7 कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था। इसके डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री को बेस्ट डायरेक्टर की कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था। लेकिन ये फिल्म कोई भी अवॉर्ड अपने नाम करने में नाकाम साबित हुई। अब एक्टर अनुपम खेर ने एक अजीब पोस्ट शेयर किया है। फिल्मफेयर के नॉमिनेशन्स की लिस्ट सामने आने के बाद डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने ऐलान किया था कि वो एक भी अवॉर्ड नहीं लेंगे। उन्हें इस अनैतिक और भ्रष्ट अवॉर्ड से अपना नाता नहीं जोड़ना है। अब जब फिल्म द कश्मीर फाइल्स को एक भी अवॉर्ड नहीं मिला तो अनुपम खेर ने बड़ी बात कह दी है। उन्होंने ट्विटर पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। अनुपम ने लिखा, इज्जत एक महंगा तोहफा है। इसकी उम्मीद सस्ते लोगों से ना रखें। माना जा रहा है कि अनुपम खेर का इशारा फिल्मफेयर अवॉर्ड की तरफ है। उनके ट्वीट पर कई यूजर्स ने अपने रिएक्शन दिए हैं। कई का कहना है कि उनकी बात एकदम सही है। तो बहुत से ऐसे भी हैं, जो उनकी फिल्म को खराब बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप अवॉर्ड्स से ऊपर हैं। द कश्मीर फाइल्स में आपकी एक्टिंग को ऑस्कर मिलना चाहिए था। फिल्मफेयर जुबां केसरी वाले लोगों के लिए है। दूसरे ने लिखा, फिल्मफेयर एक कीमती अवॉर्ड है, घटिया फिल्म उसे जीतने की उम्मीद ना रखे।

अजब-गजब | बुजुर्ग की अजीबोगरीब आदत,

अजीबो-गरीब शौक, 24 घंटे अपने मुंह में दबाकर रखते हैं 150 से अधिक पेपर पिन

इस दुनिया में रहने वाले हर इंसान को कोई न कोई शौक होता है। मगर कुछ लोगों का शौक अजीबगरीब होता है। मध्य प्रदेश के सतना शहर के लालता चौक निवासी संजय विश्वकर्मा की अनोखी आदत को जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। 56 वर्षीय संजय अपने मुंह के अंदर 150 से अधिक अलग-अलग प्रकार की पिन को दबा कर रखते हैं। वो ऐसा साल के 365 दिन बखूबी कर सकते हैं। इस अनोखे काम को करने में उन्हें मुंह में किसी प्रकार की कोई तकलीफ नहीं होती।

संजय अपने मुंह में डेढ़ सौ पिन को दबाए हुए अपनी दिनचर्या के काम जैसे सोना, उठना, भोजन करना, ब्रश करना, पान खाना पूरी कर लेते हैं। ऐसा करते हुए उन्हें आज तक कोई परेशानी नहीं हुई। संजय ने बताया कि जब वो 14 वर्ष के थे तो उन्हें पान खाने की आदत लग गई थी। इस दौरान, अपने दांत में फंसी सुपारी को निकालने के लिए वो लकड़ी का उपयोग करते थे तो वो टूट जाती थी। ऐसे में एक बार उन्होंने दांतों में फंसी सुपारी को निकालने के लिए पेपर पिन का उपयोग किया। बस फिर क्या था, उन्हें धीरे-धीरे

पेपर पेन से सुपारी निकालने की आदत पड़ गई। पेपर पिन रखने के लिए संजय विश्वकर्मा ने अपने मुंह को ही उसका ठिकाना बना लिया। धीरे-धीरे उन्हें पेपर पिन अच्छी लगने लगी। संजय जब भी किसी ऑफिस, सरकारी कार्यालय, कपड़े की दुकान या अन्य जगह पर जाते थे, यहां उन्हें पेपर पिन या कोई भी पिन दिखाई देता था तो वो उसे उठा कर अपने मुंह में रख लेते थे। 14 वर्ष की उम्र से शुरू हुआ उनका यह कारनामा अब भी जारी है।

दिलचस्प बात यह है कि संजय के मुंह में रखी पिन अंदर ही गल जाती है, और उन्हें पता भी नहीं चलता। सामान्य तौर पर अगर हम किसी पेपर पेन या अन्य कोई पिन की बात करें तो यह लोहे या तांबे की होती है। ऐसे में इतने सारे पिन को चौबीसों घंटे साल के 365 दिन तक अपने मुंह में दबा कर रखने को संजय की अनोखी आदत मानी जा सकती है। संजय के मुंह में रखी हुई पेपर पिन की तस्वीरें देख कर आप दंग रह जाएंगे कि आखिर यह कैसे मुमकिन है। कोई इंसान कैसे अपने मुंह के अंदर इतने सारे पेपर पिन दबा कर रख सकता है।

संजय ने बताया कि उन्हें 14 वर्ष की उम्र से पान खाने की आदत लग गई थी। फिर मुंह में फंसी सुपारी को निकालने के लिए पेपर पिन की आदत पड़ गई। धीरे-धीरे यह आदत, शौक में बदल गई। वर्ष 1982 से शुरू हुई यह आदत को आज 40 साल से अधिक हो गए हैं। संजय की मानें तो उन्होंने इसके लिए डेंटिस्ट को भी दिखाया था। जब दांतों के डॉक्टर ने उनके मुंह को चेक किया तो उन्हें भी इस पिन से कोई समस्या नहीं मिली। संजय मुंह में पिन दबाए रखने के साथ-साथ भोजन, पानी, पान, खाने-पीने की अन्य सामग्री बखूबी ग्रहण कर लेते हैं, लेकिन उनके मुंह से पिन नहीं निकलती। इस पेपर पिन की वजह से उन्हें कभी कोई तकलीफ नहीं हुई।

यहां बर्गर खाने पर मिलेंगे दो लाख रुपए, सिर्फ करना होगा नामकरण

आज के समय में पैसे कमाने का कोई भी मौका इंसान छोड़ना नहीं चाहता। आखिरकार लाइफ की हर जरुरत इन पैसों से ही तो पूरी होती है। ऐसे में अगर आपको ये ऑफर मिले कि सिर्फ बर्गर खाने से आप लखपति बन सकते हैं तो? जाग गया ना इंट्रेस्ट? जी हां, आपको सिर्फ बर्गर को खाना है और इसके बाद उस बर्गर का नामकरण करना है। ऐसा करने के बाद आपको पूरे दो लाख रुपए मिलेंगे। ये बेहद लुभावना ऑफर सीमित समय के लिए है। आइये आपको इस ऑफर के बारे में डिटेल से बताते हैं। अगर इन दिनों आप तंगी में चल रहे हैं तो ये खबर आपके लिए राहत ला सकता है। आपके पास झट से लखपति बनने का ऑफर है। आपको करना कुछ खास नहीं है। सिर्फ एक बर्गर का नाम रखकर आप दो लाख की कमाई कर सकते हैं। आपको अपनी क्रिएटिविटी दिखानी होगी और बर्गर खाने के बाद उसका नाम रखना होगा। जो सबसे अच्छा और यूनिक नाम सुझाएगा उसे मिलेगा पूरे दो लाख रुपए का इनाम। बर्गर चेन के मशहूर नाम फ्लेमिंग ग्रिल ने ये प्रतियोगिता शुरू की है। इसमें इनके सिग्नेचर बर्गर का नाम बदल कर रखना है। अभी इसे स्टिंगर बर्गर के नाम से जाना जाता है। इसके टॉपिंग्स में चीज, पिरी पिरी सॉस और एल्पिनोज होते हैं। इसके नए नाम की एंट्री आप इसके साइट पर जाकर कर सकते हैं। वहां से बेस्ट नाम का चुनाव किया नाम कंपनी को पसंद आएगा, उसे पूरे दो लाख रुपए ट्रांसफर किये जायेंगे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आपको बेहद आसान स्टेप्स फॉलो करने हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको फ्लेमिंग ग्रिल्स को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना होगा। इसके बाद इनके द्वारा किये गए सिग्नेचर स्टिंगर बर्गर वाले पोस्ट पर जाएं। वहां इसके कमेंट बॉक्स में अपना नया नाम सुझाएँ। आप इस पोस्ट को शेयर भी कर सकते हैं। कमेंट में आए सबसे यूनिक नाम को ही इनाम दिया जाएगा। अभी तक लाखों लोगों ने इनाम के लिए अपनी किस्मत आजमाई है। आप भी ऐसा कर झट से लखपति बनने का ख्वाब पूरा कर सकते हैं।

कांग्रेस का पीएफआई और बजरंग दल को बैन करने का वादा

» कर्नाटक में जारी किया चुनाव का घोषणापत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। घोषणापत्र में कांग्रेस ने बजरंग दल की तुलना पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से की है और कहा है कि अगर उन्हें सत्ता पर काबिज होने का अवसर मिला, तो वे इसे बैन करेंगे। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि एवं शक्ति की पांच गारंटी दोहराई। बता दें कि सोमवार को भाजपा ने भी अपना घोषणा पत्र जारी किया था, जिसमें कई जनकल्याण योजनाओं के साथ-साथ गरीबों को मुफ्त अनाज देने की बात कही गई है। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार मौजूद रहे।

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जनता से वादा किया है कि अगर वे सत्ता में आते हैं, तो गृह ज्योति के तहत 200 यूनिट निशुल्क बिजली दी जाएगी। गृह लक्ष्मी में परिवार की मुखिया को दो हजार रुपये तथा अन्न भाग्य में दस किलोग्राम अनाज देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने पशुपालन को बढ़ावा देने और गांवों में कम्पोस्ट खाद केंद्र स्थापित करने के लिए गाय का गोबर 3 रुपये प्रतिकिलो खरीदने का वादा किया है। कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि युवा निधि के तहत बेरोजगार स्नातकों को एक माह में तीन-तीन हजार रुपये तथा डिप्लोमाधारी बेरोजगारों को डेढ़-डेढ़ हजार रुपये दिए जाएंगे. वहीं, शक्ति योजना के तहत सभी महिलाओं को राज्य भर में केएसआरटीसी / बीएमटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी।

गारंटी देता हूं कि सभी वादों को सरकार गठन के पहले दिन लागू किया जाएगा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घोषणापत्र जारी करते हुए कहा,मैं छठी गारंटी देता हूं कि सभी वादों को सरकार गठन के पहले दिन, मंत्रिमंडल की पहली बैठक में लागू किया जाएगा। वहीं, उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा पारित किए गए अन्यायपूर्ण सभी कानूनों तथा अन्य जन विरोधी कानूनों को सत्ता में आने के एक वर्ष के भीतर ही रद्द कर दिया जाएगा।

कट्टरपंथी संगठनों का घोषणापत्र : हिमंत बिस्वा

कांग्रेस की ऐसी घोषणा पर असम के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पीएफआई पर पहले से ही प्रतिबंध है। सिद्धारमैया सरकार ने पीएफआई के मामले वापस लिए इसलिए वे कह रहे हैं कि मुसलमानों को खुश करने के लिए वे बजरंग दल पर प्रतिबंध लगा देंगे, कांग्रेस कह रही है कि पीएफआई यह नहीं कह सकता कि हम बदला लेंगे, कांग्रेस का घोषणापत्र पीएफआई और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के घोषणापत्र जैसा दिखता है।

महात्मा गांधी के पोते अरुण गांधी का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोल्हापुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोते अरुण गांधी की मंगलवार (2 मई) को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में लंबी बीमारा के बाद निधन हो गया। उनके बेटे तुषार गांधी ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 2 बजे के बाद कोल्हापुर में किया जाएगा।

अरुण गांधी का जन्म 14 अप्रैल 1934 को डरबन में मणिलाल गांधी और सुशीला मशरूवाला के घर हुआ था। वह अपने दादा राष्ट्रपिता के ही नक्शे कदम पर चलते हुए उन्होंने लेखक और एक्टिविस्ट के रूप में महाराष्ट्र के लोगों की सेवा की। उन्होंने अपने दादा-दादी से जुड़ी कई किताबों का लेखन किया।

उनके परिवार में उनके बेटे तुषार, बेटी अर्चना, चार पोते और पांच परपोते हैं. अरुण गांधी खुद को शांति का पुजारी कहते थे। उन्होंने बेथानी हेगेडस और इवान तुर्क के सचित्र कस्तुरबा, द फॉरगॉटन वुमन, ग्रैंडफादर गांधी, द गिफ्ट ऑफ एंगर एंड अदर लेसन फ्रॉम माई ग्रैंडफादर महात्मा गांधी जैसी किताबें लिखीं. उन्होंने अपने दादा के पदचिन्हों पर चलते हुए शांति, सौहार्द की स्थापना के लिए गांधी वादी मूल्यों का सदैव प्रचार किया।

दर्द रहित मौत की सजा पर जुलाई में 'सुप्रीम' सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा वह कम मौत की सजा के लिए कम दर्दनाक तरीका खोजने के लिए एक्सपर्ट कमेटी नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जुलाई में सुनवाई करेगा।

सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से एजी आर वेंकटरमनी ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि वह इस बात की जांच करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने पर विचार कर रहा है कि कानून के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार फांसी की सजा पाने वाले सजायाफ्ता कैदियों को फांसी देने का कम दर्दनाक तरीका खोजा जा सकता है या नहीं,सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मामले पर जुलाई में सुनवाई करेंगे। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि वो इस मामले को लेकर एक एक्सपर्ट कमेटी बनाएगा।

वैज्ञानिक डेटा के साथ आएं : सीजेआई चंद्रचूड

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से डेटा मांगा था और पूछा था कि फांसी देने से कितना दर्द होता है ? आधुनिक साइंस और तकनीक का फांसी की सजा पर क्या विचार है ? क्या देश या विदेश में मौत की सजा के विकल्प का कोई डेटा है ? सुनवाई के दौरान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने याचिकाकर्ता और एजी वेंकटरमनी से कहा था कि हां, यह चिंतन का विषय है, हमें अपने हाथों में कुछ वैज्ञानिक डेटा चाहिए. हमें विभिन्न तरीकों से होने वाली पीड़ा पर कुछ अध्ययन दें, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप हमें सुझाव दे सकते हैं कि समिति में कौन शामिल हो सकता है, यहां तक कि घातक इंजेक्शन भी दर्दनाक है, तो वहीं गोली मारना मानवाधिकारों के पूर्ण उल्लंघन में सैन्य शासन का पसंदीदा समय था।

मई के महीने में सावन-भादो जैसा मौसम

» सुबह-शाम हल्की ठंड का एहसास, ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बारिश, तेज हवाओं की वजह मई की गर्मी में लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम ऐसे करवट ले रहा हैं कि सुबह व रात में हल्की ठंड तो दिन में कभी गर्मी तो कभी रूक-रूक बारिश हो रही है। आलम यह है कि जेठ के महीने में सावन का आनंद आ रहर है। वहीं भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी होने से वहां का मौसम सुहावना हो गया है। इसका असर उत्तर भारत में भी देखने को मिल रहर है।

बारिश, तेज हवाओं का दौर जारी है और आगे भी जारी रहेगा। इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में धूल भरी हवाओं, गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं ओलावृष्टि और तेज बारिश के

आसार बने हुए हैं। प्रदेश में सोमवार को बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर जारी रहा। बीते 24 घंटे में प्रदेश में औसतन 4.7 मिमी बारिश हुई। इस दौरान लोगों को गर्मी से राहत भी मिली, मौसम खुशनुमा बना रहा।

पूरे प्रदेश में रिकॉर्ड बर्षा

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक बीते 24 घंटे में अमेठी में (5.3 मिमी), अयोध्या में (4.3 मिमी), चित्रकूट में (26.5 मिमी), प्रतापगढ़ में (12 मिमी) बारिश रिकॉर्ड हुई। इसके अलावा रायबरेली, संतकबीरनगर, मुजफ्फरनगर, मेरठ समेत प्रदेश के ज्यादातर जिलों में कहीं तेज तो कहीं धीमी बरसात हुई। मौसम विभाग ने सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत और आसपास के इलाकों में ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के अधिकतर इलाकों में 40 से 50 किमी. की रफ्तार से हवाएं चलने, आंधी-बारिश के आसार को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। चार मई तक ये हालात बने रहने के आसार हैं।

घर में फिर हार गई लखनऊ सुपरजायंट्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 18 रन से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बैंगलोर ने 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 126 रन बनाए। कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 19.5 ओवर में 108 रन पर सिमट गई। कृष्णप्पा गौतम ने सबसे ज्यादा 13 गेंदों में 23 रन बनाए।

बैंगलोर ने 18 रन से हराया

इस हार के साथ लखनऊ की टीम दूसरे से तीसरे स्थान पर लुढ़क गई है। उसके नौ मैचों में पांच जीत और चार हार के साथ 10 अंक हैं। वहीं, बैंगलोर के भी नौ मैचों में पांच जीत और चार हार के साथ 10 अंक हो गए हैं। बैंगलोर की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। इस जीत से बैंगलोर ने लखनऊ से पिछली हार का बदला भी ले लिया है। लखनऊ ने चिन्नास्वामी में बैंगलोर को एक विकेट से हराया था। लखनऊ ने 213 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था

मैदान पर कोहली-गंभीर में तीखी बहस, लगा जुर्माना

विराट कोहली और गौतम गंभीर को बीच मैदान पर टकराने का भारी नुकसान हुआ है। दोनों को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 2 के तहत दोषी पाया गया है। कोहली और गंभीर की पूरी मैच फीस काट ली गई है। यह पहला मौका नहीं है जब विराट और गंभीर इस कदर मैदान पर आपस में भिड़े हैं। इससे पहले केकेआर की कप्तानी करते हुए भी गंभीर की कोहली संग तीखी बहस हुई थी। वहीं लखनऊ के गेंदबाज नवीन उल हक पर भी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

दरअसल, आईपीएल 2023 के 43वें मुकाबले में आरसीबी टीम को 18 रन से जीत मिली। लेकिन, इस मैच के बाद विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच एक तीखी बहस छिड़ गई। बता दें कि मैच खत्म होने के बाद सभी खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए नजर आ रहे थे। इस दौरान विराट कोहली जैसे ही लखनऊ सुपर जायटंस के खिलाड़ी काइल मेयर्स से हाथ मिलाया और उनसे बात की तो लखनऊ के मेंटोर गौतम गंभीर मेयर्स को पीछे खींचते हुए नजर आए। ऐसे में ये कयास लगाया जा रहा है कि गौतम गंभीर के इस व्यवहार पर विराट कोहली काफी भड़क गए और कप्तान फाफ डुप्लेसी से कुछ कहने लगे।

फोटो: सुमित कुमार

केडी सिंह बाबू स्टेडियम से नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा आयोजित बाइक मतदाता जागरूकता रैली को रवाना करते जिला अधिकारी सूर्यपाल गंगवार व नेशनल इंटर कॉलेज पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करती छात्राएं ।

बृजभूषण के खिलाफ आज दर्ज होगा बयान

दो महिला पहलवान सुनाएंगी आपबीती, कुश्ती संघ और पहलवानों में विवाद का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के नामी पहलवान खिलाड़ी भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि बृजभूषण के खिलाफ केस दर्ज कराने वाली पहलवानों में से दो के बयान दर्ज हो सकते हैं, सभी पीड़ितों के बयान दर्ज कराने के बाद बृजभूषण को जांच के लिए बुलाया जा सकता है।

पहलवान बजरंग पुनिया, विनेश फोगट और साक्षी मलिक ने दिल्ली पुलिस की तरफ से प्रदान किए गए सुरक्षा कवर से इनकार कर दिया है। पहलवानों ने कहा कि उन्हें रक्षा प्रदान की गई थी लेकिन उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया है।

पहलवानों ने कहा कि अगर वह जंतर मंतर पर सुरक्षित नहीं हैं तो वह कहीं भी सुरक्षित नहीं हो सकते। हम यहां कुश्ती समुदाय के अपने भाइयों और बहनों के साथ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे हैं। इससे पहले रविवार (30 अप्रैल) को पीएसओ सुरक्षा के मद्देनजर पहलवानों के पास गए थे, लेकिन पहलवानों ने विनम्रता से उन्हें जंतर-मंतर छोड़ने के लिए कहा। जहां यह पहलवान 23 अप्रैल से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पहलवानों को पूरा न्याय मिलेगा : मनोज तिवारी

पहलवानों के विरोध को लेकर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हम खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करते हैं। एफआईआर दर्ज की गई है और न्याय भी दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि यह मामला एथलीटों से जुड़ा है, इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

फारूक व सिद्धू भी समर्थन में

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने भी सोमवार (1 अप्रैल) को भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि वह जंतर-मंतर पर धरना दे रहे भारतीय पहलवानों के साथ हैं। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का साथ भी पहलवानों को मिला है। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर दिल्ली में विरोध कर रहे पहलवानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एकता शक्ति है और किसी भी सरकार को हिला सकती है। नवजोत सिंह सिद्धू भी पहलवानों से मिलने जंतर-मंतर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि कौन सही है जानने के बाद भी कोई एक्शन न लेना सबसे बड़ी कायरता है। उन्होंने पूछा कि आखिर एफआईआर में देरी क्यों हुई?

बृजभूषण ने ऑडियो क्लिप सौंपी

कुश्ती संघ के चीफ बृजभूषण शरण सिंह ने प्रदर्शनकारियों पहलवानों के खिलाफ एक नया आरोप लगाया है। बृजभूषण ने कहा कि उन्होंने समिति को एक ऑडियो क्लिप सौंपी है, जिसमें बजरंग पुनिया एक व्यक्ति से लड़की का अरेंजमेंट करने के लिए कह रहे थे, जिसकी मदद से उनपर पॉक्सो एक्ट के तहत उत्पीड़न का आरोप लगाया जा सके।

सम्मान और गरिमा के साथ निपटाएं मामले : ओलंपिक संघ

भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ियों के आयोग ने सुझाव दिया है कि आईओए को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिये जिसमें खिलाड़ियों से जुड़े मसलों से सम्मान और गरिमा के साथ निपटा जाए।

सतर्कता बरतिए कम हो रहा कोरोना

» पिछले 24 घंटे में आए 3,325 नए केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3,325 नए मामले सामने आए हैं। सोमवार से तुलना करें तो नए मामलों में अच्छी खासी गिरावट दर्ज की गई है। इसी के साथ देश में सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 44 हजार के पार पहुंच गया है। देश में वर्तमान समय में 44,175 कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज चल रहा है। देश में अब तक 4.49 करोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

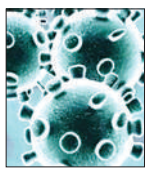

सक्रिय मामले अब कुल संक्रमणों का 0.11 फीसदी है। देश में बीते दिन कोरोना की वजह से 17 लोगों की मौत भी हुई है। इसी के साथ देश में मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,564 हो गई है। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को को बीते 24 घंटे में 4 हजार 282 नए केस सामने आए थे। वहीं सक्रिय मामलों में भी गिरावट देखी जा सकती है. 47 हजार 246 से घटकर 44 हजार 175 रह गए हैं। रिकवरी दर 98.71 प्रतिशत मंत्रालय की वेबसाइट पर साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय कोविड रिकवरी दर 98.71 प्रतिशत दर्ज की गई है। संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,43,77,257 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत बनी हुई है।

बिलकिस बानो के मामले में फिर सुप्रीम सुनवाई

» बिलकिस बानो का मामला उच्चतम न्यायालय की चौखट पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज बिलकिस बानो के मामले में दोपहर 2 बजे सुनवाई होगी। इस मामले में पिछली सुनवाई 18 अप्रैल को हुई थी। इस दौरान जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच ने सरकार से दोषियों की रिहाई की वजह पूछी थी।

कोर्ट ने कहा था- आज यह बिलकिस के साथ हुआ, कल किसी के साथ भी हो सकता है। बिलकिस ने अपनी याचिका में गुजरात सरकार पर अपने मामले के दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आरोप

लगाया है। उन्होंने 11 दोषियों को रिहा किए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने केंद्र और गुजरात सरकार से दोषियों को समय से पहले रिहाई देने से जुड़ी फाइलें पेश करने के लिए कहा था। कोर्ट ने कहा था कि अगर आप दोषियों को रिहा करने की वजह नहीं बताते हैं तो हम अपना निष्कर्ष निकालेंगे।

कर्नाटक चुनाव: प्रचार में आई तेजी कांग्रेस-भाजपा में वार-पलटवार

» बीजेपी व कांग्रेस दोनों एक दूसरे पर लगा रहे हैं आरोप प्रत्यारोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)। कर्नाटक में चुनावी सरगर्मियां जोरो पर है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। साथ ही उन्होंने राज्य के एक पारंपरिक वाद्य यंत्र पर अपना हाथ आजमाया।

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें कर्नाटक को विकसित भारत का प्रेरक बल और विकास इंजन बनाने की आवश्यकता है। इसे पूरा करने के लिए हमें डबल इंजन सरकार को फिर से सत्ता में लाना होगा!

कर्नाटक में चोरी की है सरकार : राहुल

राहुल ने कहा कि कर्नाटक की सरकार ने पिछले 3 साल में क्या किया, उसके बारे में पीएम मोदी एक शब्द नहीं बोलत, उन्होंने कहा कि उनकी बीजेपी की सरकार चोरी की सरकार है। प्रचार करने कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2 मई को कर्नाटक में शिवमोग्गा के तीर्थहल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।